भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 2331
उत्तर देने की तारीख-04/08/2025

सीयूईटी के कार्यान्वयन के बाद छात्राओं की संख्या में कमी

2331. श्री बाबू सिंह कुशवाहा:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) की शुरुआत के बाद दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाली छात्राओं की संख्या में अचानक आई गिरावट का संज्ञान लिया है;
(ख) सीयूईटी की शुरुआत से पहले और बाद में डीयू में प्रवेश लेने वाली छात्राओं की वर्ष-वार संख्या कितनी है और इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है;
(ग) क्या दूरदराज के क्षेत्रों की छात्राएं प्रवेश प्रक्रिया और सीयूईटी परीक्षा स्तर को पूरा करने में पिछड़ रही हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा और कारण क्या हैं; और
(घ) क्या सरकार की देश की अग्रणी शैक्षणिक संस्थाओं में छात्राओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए कोई विशेष योजना, सहायता प्रणाली या प्रवेश सुविधा नीति लागू करने की कोई योजना है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (घ): राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के अनुसरण में, छात्रों, विश्वविद्यालयों और संपूर्ण शिक्षा तंत्र पर बोझ कम करने हेतु, शैक्षणिक वर्ष **2022-23** से केंद्रीय विश्वविद्यालयों में प्रवेश हेतु राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) संचालित की जा रही है। शैक्षणिक वर्ष **2022-23** से **2024-25** तक सीयूईटी (यूजी) में शामिल होने वाली छात्राओं की संख्या इस प्रकार है:

शैक्षणिक वर्ष	**उन छात्राओं की संख्या जो सीयूईटी (यूजी) परीक्षा में उपस्थित हुईं**
2022-23	4,29,228
2023-24	5,13,978
2024-25	5,94,324

इसी अवधि, अर्थात वर्ष 2022-23 से 2024-25 के दौरान, दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में प्रवेश पाने वाली महिला अभ्यर्थियों की संख्या प्रत्येक वर्ष प्रवेश पाने वाले पुरुष अभ्यर्थियों की संख्या से अधिक है, अर्थात डीयू के अवर-स्नातक पाठ्यक्रमों में क्रमशः 34010, 36126 और 39242 महिला अभ्यर्थियों को

प्रवेश दिया गया, जबकि शैक्षणिक वर्ष 2022-23, 2023-24 और 2024-25 के लिए क्रमशः 30662, 32425 और 33124 पुरुष अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया गया।

सीयूईटी देशभर के केंद्रीय विश्वविद्यालयों (सीयू) और राज्य विश्वविद्यालयों, मानद विश्वविद्यालयों और निजी विश्वविद्यालयों सहित अन्य प्रतिभागी संस्थाओं में प्रवेश पाने के इच्छुक छात्रों, विशेषकर ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों के छात्रों के लिए एकल-विंडो अवसर प्रदान करता है। यह परीक्षा विभिन्न शैक्षिक बोर्डों के छात्रों का समान स्तर पर मूल्यांकन करती है, जिससे समान अवसर सुनिश्चित होते हैं।

फलस्वरूप, सीयूईटी छात्राओं सहित सभी विद्यार्थियों को न सिर्फ दिल्ली विश्वविद्यालय बल्कि केंद्रीय विश्वविद्यालयों और प्रतिभागी संस्थाओं की एक विस्तृत श्रृंखला में अपनी रुचि के पाठ्यक्रम या कार्यक्रम चुनने में सक्षम बनाता है। जहां प्रारंभिक सीयूईटी (यूजी) संस्करण में 90 प्रतिभागी संस्थाएं शामिल थीं, वहीं नवीनतम संस्करण में यह संख्या बढ़कर 240 हो गई है। अखिल भारतीय उच्चतर शिक्षा सर्वेक्षण (एआईएसएचई) के अनुसार, दिल्ली/एनसीआर के विश्वविद्यालयों/कॉलेजों/स्टैंडअलोन संस्थाओं में स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाली छात्राओं की संख्या 4,09,832 (शैक्षणिक वर्ष 2020-21 में), 4,25,006 (शैक्षणिक वर्ष 2021-22 में) और 4,91,511 (शैक्षणिक वर्ष 2022-23 में) है, जो दिल्ली/एनसीआर की संस्था में महिला अभ्यर्थियों के प्रवेश में बढ़ती प्रवृति को प्रदर्शित करता है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) "भारतीय विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में महिला अध्ययन का विकास" योजना को क्रियान्वित कर रहा है। यह योजना विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में महिला अध्ययन केंद्र (डब्ल्यूएससी) स्थापित करने के लिए निधि उपलब्ध कराती है, जो शिक्षण, अनुसंधान, पाठ्यक्रम विकास, प्रशिक्षण और प्रसार कार्यकलापों पर केंद्रित होंगे। इस योजना का उद्देश्य शिक्षण, अनुसंधान और व्यावहारिक कार्यों के माध्यम से महिला अध्ययन को आगे बढ़ाने में वित्तीय सहायता प्रदान करना है।

प्रतिभावान छात्राओं को प्रोत्साहित करने और उनकी सहायता करने हेतु विभिन्न छात्रवृत्तियाँ भी प्रदान की जाती हैं। उदाहरण के लिए, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) प्रतिभावान छात्राओं को उच्चतर शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने हेतु प्रगति छात्रवृत्ति योजना के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करती है।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) महिलाओं में बुनियादी और अनुप्रयुक्त विज्ञान में अनुसंधान को बढ़ावा देने हेतु विज्ञान और इंजीनियरिंग में महिलाएं - किरण (वाइज-किरण) और एसईआरबी-अन्वेषण से जुड़े अनुसंधान में महिलाओं के लिए अवसरों को बढ़ावा देने (एसईआरबीपावर) के लिए फेलोशिप योजना के तहत कार्यक्रमों के माध्यम से अध्येतावृत्ति प्रदान करता है, ताकि भारतीय शैक्षणिक संस्थाओं और अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशालाओं में विभिन्न विज्ञान और प्रौद्योगिकी कार्यक्रमों में कार्यरत उत्कृष्ट महिला शोधकर्ताओं और नवाचारकर्त्ताओं की पहचान की जा सके और उन्हें पुरस्कृत किया जा सके।

****